मध्य प्रदेश (राज्य सेवा) मुख्य परीक्षा–2017

मॉडल पेपर

अनुक्रमांक/Roll No.

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।
Candidate should write his/her Roll No. here.

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3
No. of Printed Pages : 3

कुल प्रश्नों की संख्या : 3
Total No. of Questions : 3

सामान्य अध्ययन
GENERAL STUDIES

चतुर्थ प्रश्न-पत्र
Fourth Paper

समय: 3 घंटे
(Time: 3 Hours)

पूर्णांक: 200
(Total Marks: 200)

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश:
Instructions to the Candidates:

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल 03 प्रश्न हैं तथा सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
   This Question Paper consists of three questions and all questions are compulsory.
2. प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।
   Marks for each question have been indicated on the right hand margin.
3. प्रश्न क्रमांक 1 में कोई आंतरिक विकल्प नहीं है। शेष प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिया गया है।
   There is no internal choice in Question No. 01, remaining questions carry internal choice.
4. प्रथम प्रश्न लघु-उत्तरीय है, जिसमें 15 अनिवार्य प्रश्न हैं। प्रत्येक का उत्तर एक अथवा दो पंक्तियों में देना है। प्रश्न क्रमांक 02 में शब्द सीमा 150 है।
   The first question is of short-answer type consisting of 15 compulsory questions. Each one is to be answered in one or two lines. For Question No. 02 word limit is 150 words.
5. जहाँ शब्द सीमा दी गई है उसका पालन करें।
   Wherever word limit has been given, it must be adhered to.
6. प्रश्न-पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें। एक प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से क्रमानुसार लिखें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखें।
   Question should be answered exctly in the order in which they appear in the question paper. Answer to the various parts of the same question should be written together compulsorily and no answer of the other question should be inserted between them.
7. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की तथ्यात्मक तथा मुद्रण त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेज़ी में से अंग्रेज़ी रूपान्तर को मानक माना जाएगा।
   In case there is any error of factual nature of printing, then out of the Hindi and English version of the question, the English version will be treated as standard.

Drishti IAS

1. निम्नलिखित प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर **एक** या **दो** पंक्तियों में दीजिये: **(15 × 3 = 45)**

(A) सत्यनिष्ठा क्या है?

(B) 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(C) सिद्धांत एवं तार्किकता में क्या अन्तर है?

(D) 'वेदों की ओर लौटो' किसने और क्यों कहा?

(E) सामाजिक लोकतंत्र से क्या अभिप्राय है?

(F) गुरुनानक और उनका दर्शन।

(G) नैतिक उत्तरदायित्व से आप क्या समझते हैं?

(H) प्रत्ययवाद क्या है?

(I) अष्टांगिक मार्ग कौन-कौन से हैं?

(J) जयप्रकाश नारायण का समाजवाद।

(K) मानवता एवं मानववाद को स्पष्ट करें।

(L) अरस्तू एवं प्लेटो के मूल दार्शनिक सिद्धांत।

(M) भ्रष्टाचार सामाजिक बुराई क्यों है?

(N) तुलसीदास एवं उनका सामाजिक दृष्टिकोण।

(O) 'एकात्मवादी चिंतन'।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पन्द्रह** प्रश्नों के उत्तर लिखिये। प्रत्येक उत्तर लगभग **150 शब्दों** की सीमा में हो: **(15 × 6 = 90)**

(A) 'पारदर्शिता इसकी द्योतक है कि नैतिकता वहाँ विद्यमान है।' क्या आप इससे सहमत हैं?

(B) 'व्यक्ति की आत्मा सदैव पवित्र होती है, इसीलिये जब व्यक्ति अनैतिक होता है, आत्मा उसे यथार्थ से अवगत कराती है।' इससे आप कहाँ तक सहमत हैं?

(C) लोक प्रशासन में 'उत्तरदायित्व एवं नियंत्रण' की व्याख्या कीजिये।

(D) कबीरदास की प्रासंगिकता समाज में यथार्थवादिता के लिये सदैव महत्त्वपूर्ण रहेगी। स्पष्ट कीजिये।

(E) 'भक्ति' को आप समाज में कौन सा और क्यों स्थान देंगे?

(F) "साधन पवित्र है, तभी साध्य पवित्र हो सकता है।" इस पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

(G) टैगोर का सामाजिक विकास में योगदान।

(H) सप्तभंगीनय क्या है? स्पष्ट कीजिये।

(I) दार्शनिक चिंतक एवं सामाजिक उत्थान।

(J) लोक सेवा में पारदर्शिता एवं नैतिक मूल्यों की आवश्यकता।

(K) व्यक्ति अनैतिक क्यों हो जाता है? उसके कारणों पर चर्चा करें।

(L) "भ्रष्टाचार एक ऐसा दीमक है, जो काष्ठ की तरह समाज को छिन्न फिर क्षयित कर देता है।" इस पर अपने विचार प्रकट कीजिये।

(M) दयानंद सरस्वती एक समाज सुधारक के रूप में।

(N) जैन दर्शन में 'पंचमहाव्रत' के महत्त्व को स्पष्ट कीजिये।

(O) डॉ० अम्बेडकर के जीवन दर्शन को समझाइये।

(P) कौटिल्य के प्रशासनिक चिंतन को आप वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था के लिये किस प्रकार उपयोगी मानते हैं?

(Q) 'विचारधारा से ही परिवर्तनवादी सामाजिक क्रांति उत्पन्न होती है।' स्पष्ट कीजिये।

(R) "विवेकानंद का वेदान्तवादी चिंतन।"

Drishti IAS

3. पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषयवस्तु पर आधारित प्रकरण: **3 ×10 = 30**

(A) **प्रथम प्रकरण:**

विषय:– व्यक्तिगत कर्त्तव्यों एवं प्रशासनिक कर्त्तव्यों के बीच द्वन्द्व।

आप एक ज़िलाधिकारी के रूप में तैनात हैं और एक सप्ताह बाद आयोजित होने वाले आम चुनावों के संचालन का उत्तरदायित्व आप पर है। अचानक आपकी माताजी को दिल का दौरा पड़ता है और उन्हें आपके गृह नगर के एक अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती कराया गया है, जो आपके वर्तमान ज़िले से 250 किमी. दूर है। उनके डॉक्टर ने सलाह दी है कि आप जल्दी ही अपनी माताजी से आकर मिल लें क्योंकि उनके जीवित रहने की संभावना 50% ही है। आप उनके एकमात्र पुत्र हैं और उन्होंने भी आपसे आग्रह किया है कि आप अंतिम समय में उनके साथ रहें। आपने चुनाव आयोग से अत्यावश्यक अवकाश के लिये आवेदन किया लेकिन उसे अस्वीकार कर दिया गया।

उपर्युक्त प्रकरण के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(a) ऐसी परिस्थिति में आप क्या करेंगे और क्यों? विस्तार से व्याख्या करें।

(b) व्यक्तिगत कर्त्तव्यों एवं प्रशासनिक/सार्वजनिक कर्त्तव्यों में से आप किसे ज़्यादा महत्त्व देंगे और क्यों?

(c) सार्वजनिक जीवन में रहते हुए आप अपने व्यक्तिगत कर्त्तव्यों का निर्वहन कैसे कर सकते हैं? स्पष्ट कीजिये।

(B) **द्वितीय प्रकरण:** **5 × 7 = 35**

विषय:– रेल मंत्रालय में भ्रष्टाचार।

आप रेल मंत्रालय में उप सचिव के पद पर तैनात हैं तथा साफ-सुथरे, ईमानदार छवि के व्यक्ति हैं। एक दिन रेलमंत्री का पर्सनल असिस्टेंट आपके पास आकर बताता है कि रेलमंत्री और किसी कंपनी के बीच गुप्त रूप से कोई बड़ी डील होने वाली है जिसमें कई करोड़ का फायदा रेलमंत्री को होने वाला है, और इस संदर्भ में वह अपने पास पुख्ता सबूत होने का भी दावा करता है। वह बताता है कि आपके उच्चाधिकारी समेत कई लोग इसमें सम्मिलित हैं।

उपर्युक्त प्रकरण के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(a) उक्त प्रकरण के विषय में आप रेलमंत्री के पर्सनल असिस्टेंट को क्या सलाह देंगे?

(b) इस तरह के प्रकरणों में 'व्हिसल-ब्लोअर' की क्या भूमिका है?

(c) इस तरह के घोटालों को रोकने में क्या कानूनी प्रावधान है?

(d) रेल मंत्रालय में उप सचिव पद पर तैनात होने तथा एक ईमानदार नागरिक होने के नाते आपके क्या कर्त्तव्य हैं?

(e) भारत में ऐसे प्रकरणों को रोकने में जाँच एजेंसियों की क्या भूमिका है?

Drishti IAS